सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 184 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 8 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

भारत की गरीबी पूरी तरह से वर्तमान शासन की वजह से है।
-बाल गंगाधर तिलक

भारत ने 27 साल बाद गंवाई वनडे... 7 | राजस्थान में पायलट-गहलोत क्यों... 3 | अपराधियों को सीएम नीतीश का... 2

वक्फ अधिनियम व विनेश को लेकर संसद में जोरदार हंगामा

» विपक्ष ने एनडीए सरकार व बीजेपी को घेरा
» कांग्रेस बोली- एक समुदाय के अधिकारों का हनन कर रहे पीएम मोदी
» सपा बोली- वक्फ के बहाने भाजपा को जमीन देना चाहती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को वक्फ अधिनियम व पहलवान विनेश फोगाट के ओलंपिक में अयोग्य करार देने के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। इन दोनों बातों को उठाकर विपक्ष ने एनडीए सरकार को जमकर घेरा। विनेश मामले को लेकर विपक्ष ने वाकआउट भी किया। विपक्ष के इस फैसले से राज्य सभा सभापति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी भी जताई। भाजपा की ओर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा विनेश के साथ जो हुआ दुर्भाग्य पूर्ण हैं ये देश के सम्मान का मामला है इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

उधर वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश कर दिया। इसे विधेयक का विपक्ष तो विरोध कर रहा हे सत्ता पक्ष से जुड़े लोजपा समेत कई दलों ने विरोधी सुर अपनाया है सभी ने इस विधेयक को प्रवर समिति को भेजने की सलाह दी है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध किया गया।

वक्फ बोर्ड बहाना है, जमीन बेचना निशाना है : अखिलेश

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि संशोधन की आड़ में भाजपा वक्फ बोर्ड की जमीनों को बेचने की कोशिश कर रही है और भाजपा को इसमें जनता की जगह जमीन जोड़ देना चाहिए। सपा सांसदों के साथ एक फोटो शेयर करते हुए अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि 'वक्फ बोर्ड' का ये सब संशोधन भी बस एक बहाना है। रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह ज़मीन बेचना निशाना है। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि वक्फ बोर्ड की ज़मीनें, डिफ़ेंस लैंड, रेल लैंड, नजूल लैंड के बाद 'भाजपाइयों के लाभार्थ योजना' की श्रृंखला की एक और कड़ी मात्र है। भाजपा क्यों नहीं खुलकर लिख देतीं'भाजपाई-हित में जारी'। उन्होंने कहा कि इस बात की लिखकर गारंटी दी जाए कि वक्फ़ बोर्ड की ज़मीनें बेची नहीं जाएंगी। उन्होंने तंज कसते हुए भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है।

यही समय की मांग, विकास के रास्ते को करेगा मजबूत : नकवी

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी का बड़ा बयान सामने आया है। नकवी ने अपने बयान में कहा कि ये बिल वक्फ बोर्ड व्यवस्था के नाम पर हो रहे उत्पीड़न का समाधान देने के लिए है। यही समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान के दायरे में रहते हुए ये बिल लाया जा रहा है और ये विकास के रास्ते को मजबूत करेगा। इस पर उचित चर्चा होनी चाहिए लेकिन आप इसे रोक नहीं सकते, गुमराह नहीं कर सकते। भाजपा नेता ने कहा कि' मुझे छूने की नहीं बल्कि मुझे छूने की बात कही है, उसे खत्म करने के लिए सुधारों की जरूरत है।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने वक्फ विधेयक पर दी नोटिस

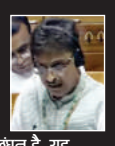

सहारनपुर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने वक्फ संसोधन विधेयक 2024 का विरोध किया है। स्पीकर को भेजी एक चिट्ठी में मसूद ने विधेयक का विरोध करने की बड़ी वजह बताई है। मैं वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किए जाने का इस आधार पर विरोध करता हूँ कि यह हमारे संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है, यह विधेयक, अपने वर्तमान स्वरूप में, संविधान के अनुच्छेद 15, 25, 26, 29 और 30 के तहत गारंटीकृत समानता, धर्म की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक अधिकारों के सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन करता है। अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है।

विपक्ष के वॉकआउट करने पर राज्यसभा सभापति ने कहा- दर्द हमें भी

पेरिस ओलंपिक से विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे पर विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, वे (विपक्ष) सोचते हैं कि केवल वे ही हैं जिनका कलेजा फट रहा है, लड़की (विनेश) की वजह से पूरा देश दर्द में है, पर इस पर राजनीति सबसे बड़ा अपमान होगा।

पूरा देश विनेश के साथ, जो हुआ दुर्भाग्य : नड्डा

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि पूरा देश उनके साथ है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, कि ये देश का सवाल है, पूरा देश उनके साथ खड़ा है, दुर्भाग्य है कि इसे भी हम पक्ष और विपक्ष में बांटने का प्रयास कर रहे हैं। नड्डा ने कहा, पूरा देश विनेश फोगाट के साथ खड़ा है, पीएम ने कल उन्हें चैंपियन ऑफ चैंपियंस कहा।

बहुमत होने पर विनेश को राज्यसभा भेजता : हुड्डा

हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने को लेकर जांच की मांग की है। उन्होंने कहा फैसला स्तब्ध करने वाला है। आज (हरियाणा में) राज्यसभा की एक सीट खाली है, अगर मेरे पास बहुमत होता तो मैं उन्हें राज्यसभा में भेज देता।

टूटे दिल के साथ विनेश फोगाट ने कुश्ती को कहा अलविदा

» मां को संबोधित करते हुए लिखा- कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई
» महिला पहलवान के अचानक रिटायरमेंट से हर कोई हैरान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने टूटे दिल के साथ कुश्ती को अलविदा कह दिया है। महिला पहलवान के अचानक रिटायरमेंट से हर कोई हैरान है। उनके इस ऐलान के बाद उनके समर्थन में एकबार फिर पूरा देश आया। सभी ने सोशल मीडिया पर लिखा के आप चैंपियन हैं आपको आगे भी खेलते रहना चाहिए।

महिला पहलाव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया है। देश की बेटी ने लिखा है, मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी माफी। पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश ने लगातार 3 मुकाबले जीतते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से उन्हें डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। जिसके बाद जुझारू महिला खिलाड़ी ने बड़ा फैसला लिया है।

फैंस हुए गमगीन

विनेश फोगाट के अचानक संन्यास से देशवासी काफी निराश हैं. हंसराज नाम के फैन ने लिखा है, चैंपियन कभी हिम्मत नहीं हारते. पूरा भारत देश आपके साथ है। हमें आप पर गर्व है। चैंपियन कभी हिम्मत नहीं हारते। पूरा भारत देश आपके साथ है। हमें आप पर गर्व है। रंजीतनाम के यूजर्स ने लिखा है, आप चैंपियन थी, चैंपियन हैं और हमेशा चैंपियन रहेंगी, हम सभी भारतीयों को आप पर गर्व है आप सभी लड़कियों की आदर्श ह, आप महान हैं विनेश फोगाटआप चैम्पियन थी,चैम्पियन है और हमेशा चैम्पियन रहेंगी। हम सभी भारतीयों को आप पर गर्व है। आप सभी लड़कियों के आदर्श है। सुमन नाम के खेल प्रेमी ने लिखा है, चैंपियन कभी हिम्मत नहीं हारत, पूरा भारत देश विनेश के साथ खड़ा है। भारत माता की जय। रुस्तम नाम के शख्स ने लिखा है, विनेश हम सब आपके साथ हैं, पूरा देश आपके साथ है। आपने दुनिया के एक नंबर खिलाड़ी को हराया है। कोई एक तमगा नहीं मिलने से आपकी जीत छोटी नहीं हो जाती है. आपके उपर गर्व ह आप चैंपियन हो।

सिस्टम से लड़ते-लड़ते थक गई ये लड़की : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि विनेश फोगाट लड़ते-लड़ते थक गईं। माना जा रहा है कि थरूर का इशारा केंद्र और बाकी पर था। कांग्रेस सांसद थरूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इस सिस्टम से पक गई है ये लड़की, लड़ते-लड़ते थक गई है ये लड़की। इस सिस्टम से पक गई है ये लड़की।

“ विनेश आप हारी नहीं आपको हराया गया है, हमारे लिए आप सदैव विजेता रहेंगी। विनेश आप हारी नही हराया गया है, हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहेगी आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो ।

बजरंग पुनिया, पहलवान

“ विनेश तुम नहीं हारी हर वो बेटी हारी है जिनके लिए तुम लड़ी और जीती।

साक्षी मलिक, पहलवान

“ विनेश के वापस आने पर समझाएंगे की अभी और खेलना है और अपना फैसला वापस ले। दिल छोटा नहीं करना है। अभी से ही 2028 ओलंपिक के लिए तैयारी शुरू करेंगे।

महावीर फोगाट, ताऊ

“ विनेश हमारे लिए चैंपियन है। इसलिए हरियाणा लौटने पर उनका स्वागत एक सिल्वर मेडलिस्ट की तरह होगा। रजत पदक विजेता को मिलने वाले सभी लाभ दिये जायेंगे।

नायब सैनी, सीएम हरियाणा

अपराधियों को सीएम नीतीश का संरक्षण : तेजस्वी

पूर्व डिप्टी सीएम ने पूछा- रूपेश सिंह को आखिर किसने मारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लगातार हत्या हो रही है। रूपेश हत्याकांड के आरोपियों को बरी कर दिया गया है। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर हत्यारा कौन है। हम शुरू से ही बोल रहे हैं कि बिहार पुलिस का भय अपराधियों के मन से हट चुका है। अपराधियों को सीएम नीतीश कुमार का संरक्षण मिलता है। मामले की जांच भी नहीं हो पाती है।

नीतीश कुमार का इकबाल पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बिहार में बढ़ते अपराध पर बिहार सरकार पूरी तरह खामोश है। अपराधियों को संरक्षण देने का काम बिहार सरकार करेगी। जनता के बीच जाने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों ने कहा था कि 15 अगस्त के बाद हमलोगों ने यात्रा की बात कही थी। इस विषय पर पार्टी के लोगों से लगातार बात रही है। यात्रा की सारी तैयारी जिस दिन पूरी

हो जाएगी, उस दिन आप सभी को बता दिया जाएगा।

वहीं लैंड फॉर जॉब केस के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ मिला तो है ही नहीं। इस जांच में दम ही नहीं है। इससे कोई फर्क भी पड़ने वाला नहीं है। इसलिए कोई टिप्पणी नहीं करना है। हमलोग का पक्ष काफी मजबूत है इसलिए यह कहीं टिकने वाला नहीं है। अदालत पर हमलोगों को पूरा भरोसा है।

एक भी चश्मदीद को पेश नहीं किया गया

पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो के तत्कालीन स्टेशन मैनेजर रूपेश सिंह की हत्या कर दी गई थी। इसमें मामले में चारों आरोपियों को पटना के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश 9 अविनाश कुमार ने बरी कर दिया। आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले। इस चर्चित मर्डर केस में एक भी चश्मदीद को पेश नहीं किया गया। 18 गवाहों की गवाही भी हुई लेकिन एक भी गवाही टिक नहीं पाई। अब सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर रूपेश सिंह की हत्या किसने की और किसने करवाई थी?

सलमान खुर्शीद के बयान के समर्थन में उतरे राजद नेता कुमार सर्वजीत

» बोले- जाति-धर्म के नाम पर राजनीति करना देश के लिए अच्छा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। बंगलादेश में हुए तख्तापलट के मामले में कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के बयान के बाद राजद के बोधगया विधायक सह पूर्व कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत समर्थन में उतर गए हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में ऐसी स्थिति न कभी आई है और न आएगी। लेकिन इसमें सवाल है कि किसी भी देश के लिए जाति-धर्म के नाम पर राजनीति करना देश के लिए अच्छा नहीं होता है।

राजद नेता सर्वजीत ने कहा कि पिछले 10 से 15 वर्षों में एक नया प्रचलन शुरू हो गया है कि यह हिंदू है, वह मुस्लिम है। सभी इसी देश के नागरिक हैं। भारत में कभी जाति-धर्म के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह देश को कमजोर करने का संकेत है। उन्होंने कहा कि सलमान खुर्शीद ने जो कहा है उसका अर्थ यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में पीएम, सीएम को यह अधिकार नहीं है कि वह जाति-धर्म पर राजनीति करे। यह देश हिंदू-मुसलमान का है। जाति और धर्म के नाम पर राजनीति करना और कुर्सी पाना किसी भी देश के लिए बेहतर संकेत नहीं है। जाति और धर्म के नाम पर देश को कमजोर करना चाहते हैं, वैसे नेताओं को सचेत हो जाना चाहिए। हिंदू, मुस्लिम और सिख, ईसाई का जो नारा है, वह किसी भाजपा नेता के बहकावे में आने से खत्म होने वाला नहीं है।

छत्तीसगढ़ में असली सुपर सीएम के सवाल पर तकरार

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई है। कांग्रेस-बीजेपी के बीच असली सुपर सीएम के सवाल पर तकरार बढ़ गई है। असली सुपर सीएम के सवाल पर दोनों पार्टियां एक दूसरे को घेरने का प्रयास कर रही है।

सोशल मीडिया पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने लिखा कि अभी तक यह पता नहीं चल रहा था कि सरकार कौन चला रहा है, अब स्पष्ट है। वहीं इस पर बीजेपी ने पलटवार करते हुए लिखा कि पूरा छत्तीसगढ़ जानता है असली सुपर सीएम तो आपकी सौम्या थी।

दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि मैंने बिना टिकट मांगे, बिना चुनाव लड़े, दूसरों को लड़वाया और मैं एक क्षेत्र की विधायक और सांसद बन गई। अब मैं सुपर सीएम के नाम से जानी जाती हूं। कौशल्या साय के इस बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार को घेरने में लग गई है।

पूर्व सीएम बघेल ने इस बयान को लेकर सवाल उठाया है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सीएम की पत्नी कौशल्या साय को लेकर की टिप्पणी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया एक्स पर सीएम की पत्नी कौशल्या साय के बयान को राजनीतिक रंग देते हुए एक वीडियो साझा किया है। भूपेश बघेल ने लिखा कि अभी तक यह पता नहीं चल रहा था कि सरकार कौन चला रहा है, अब स्पष्ट है।

आदिवासी महिला का अपमान कर रही कांग्रेस : बीजेपी

वहीं भूपेश बघेल के टिप्पणी को लेकर भाजपा ने भी पलटवार किया है। बीजेपी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भूपेश जी, एक भोली-भाली आदिवासी महिला की ओर से मजाक में कही गई बातों को कपट पूर्वक पेश कर आप एक आदिवासी परिवार के निजी जीवन में घुस रहे हैं। पूरा छत्तीसगढ़ जानता है असली सुपर सीएम तो आपकी सौम्या थी।

अपने ही पूर्व सीएम की योजनाओं को रोक रही मोहन सरकार : जीतू पटवारी

कांग्रेस नेता ने कहा- शिवराज सिंह के समय शुरू किए गए 47 विभागों की 125 योजनाओं में कटौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि लाड़ली लक्ष्मी, पीएम जन आरोग्य (आयुष्मान भारत), महाकाल विकास समेत 47 विभागों की 125 योजनाओं को मप्र सरकार ने रोक दिया है? ये वही योजनाएं हैं, जिन्हें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज जी ने शुरू किया था।

पटवारी ने आगे कहा कि राज्य के बजट के बाद, वित्त विभाग ने निर्देश दिया है कि इन योजनाओं के लिए पैसा उसकी अनुमति के बिना नहीं निकाला जा सकता है। यही वजह है कि लाड़ली लक्ष्मी और 124 अन्य योजनाओं का फंड रुका हुआ है। जबकि बजट के एक हफ्ते बाद जेट विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, लेकिन राम वन गमन पथ, मंत्री बंगलों का नवीनीकरण और तीर्थ यात्रा जैसी कई योजनाओं के लिए धन रोकने का फैसला कर लिया। पटवारी ने कहा कि फंड-होल्ड

सूची में डाली गई परियोजनाओं के मामले में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को सबसे बड़ी मार पड़ी है। इसके बाद शहरी विकास और आवास विभाग, किसान कल्याण और कृषि विकास का नंबर है। उन्होंने कहा कि सच यह है बीजेपी में गहरे किस्म का अंतर्विरोध पनप गया है। वर्तमान मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री की योजनाओं, नीतियों को निशाना बना रहे हैं। ऐसी योजनाएं जिनका समर्थन खुद प्रधानमंत्री ने भी किया था।

कमीशन के खेल को खुली छूट देने का पूरा प्रबंध किया

पटवारी ने कहा कि एमपी बीजेपी सरकार का बजट आदेश यह भी बता रहा है कि कमीशन के खेल को खुली छूट देने का पूरा प्रबंध किया गया है! मुख्यमंत्री की लग्जरी का भी ध्यान रखा गया है, लेकिन लाड़ली बहनों को 3000 प्रतिमाह देने में कंजूसी की जा रही है। पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव के बाद बनी मोहन सरकार को 3.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज विरासत में, यानी शिवराज सिंह चौहान सत्ता से मिला था, क्योंकि, तब भी सरकार कर्ज लेकर ही सरक रही थी।

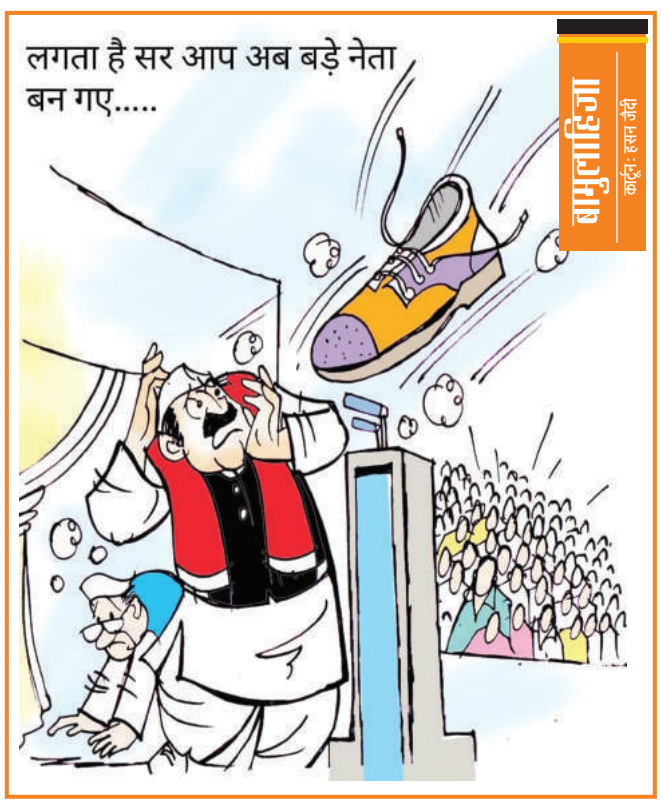

राउत मानहानि मामले में नितेश राणे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के नेता संजय राउत द्वारा दर्ज कराए गए मानहानि के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नितेश राणे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

राणे मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हुए जिसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) आरती ए कुलकर्णी ने गैर-जमानती वारंट जारी किया। अदालत ने जनवरी में भी भाजपा विधायक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था और 26 फरवरी को उनके पेश होने के बाद इसे रद्द कर दिया गया था लेकिन उसके बाद से राणे पेश नहीं हुए हैं और उन्होंने अलग-अलग आधारों पर पेशी से छूट मांगी है। अदालत ने पेशी से छूट संबंधी उनकी याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। इसके बाद राउत के वकील ने विधायक के खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध करते हुए एक अर्जी दायर की जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया और मामले में अगली सुनवाई के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय की।

राणे ने राउत को कहा था सांप

पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के पुत्र नितेश राणे ने पिछले वर्ष मई में राउत को कथित तौर पर ऐसा ''सांप'' कहा था, जो ''एक महीने के भीतर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को छोड़कर राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) में शामिल हो जाएगा। राज्यसभा सदस्य राउत ने मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायत दर्ज कराकर ''अपमानजनक और सरासर झूठी'' टिप्पणी के लिए राणे के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है।

राजस्थान में पायलट-गहलोत क्यों हैं मौन

दोनों दिग्गजों की निष्क्रियता पर चर्चाओं का दौर

- कांग्रेस को भाजपा के खिलाफ कर रहे मजबूत
- लोकसभा में बीजेपी के 25 सीटों के सपने को तोड़ा
- सत्ता पक्ष में हो रही है बतकही- दोनों क्यों हैं शांत
- गहलोत व पायलट की गतिविधियों पर भी सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में बीजेपी को लोक सभा मे अपेक्षाकृत कम सीटें मिलीं। हालांकि राज्य में भाजपा की सरकार है। पर कांग्रेस ने अपने कुशल रणनीति से उसके सभी लोकसभा सीटे कब्जाने के मंसूबे पानी फेर दिया। दीगर बात यह है अभी पिछले साल ही वहां राज्य विधानसभा के चुनाव हुए थे जिसमें भाजपा ने कांग्रेस की गहलोत सरकार को हटाकर खुद वहां पर सरकार बनाइ थी। वैसे, असल में लोकसभा चुनाव के बाद से, राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों अपेक्षाकृत शांत हैं। जनता में यह आम धारणा है कि अशोक गहलोत जब सक्रिय होते हैं तो प्रदेश में कांग्रेस और देश में राजस्थान दोनों को चर्चा में रखे रहते हैं।

राजनीति में वैसे तो चर्चाओं का कोई खास मोल नहीं होता। क्योंकि चालाक लोगों द्वारा चर्चाएं चलाई ही इसलिए जाती हैं कि चर्चित व्यक्ति को चकित करने के चौबारे तलाशे जा सकें। उसकी राह में कांटे बिछाए जा सके और फिर सीधे सियासत की संकरी अंधेरी गलियों में आसानी से धकेल दिया जाए। लेकिन व्यक्तित्व अगर विराट हो, कद औरों के मुकाबले कई गुना ज्यादा ऊंचा हो और सियासत के सभी पहलुओं में प्रतिभा अगर प्रामाणिक हो, तो उसके बारे में सुनी सुनाई पर भी लोग भरोसा करने लग जाते हैं। अशोक गहलोत इसीलिए इन दिनों कुछ ज्यादा ही चर्चा में हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बारे में कहा जाता है कि वे जब कुछ नहीं कर रहे होते हैं, असल में तभी वे बहुत कुछ कर रहे होते हैं। क्योंकि गहलोत जानते हैं कि शांतिकाल ही क्रांतिकाल से निपटने की तैयारियों का असली वक्त होता है। इन दिनों भी वे सियासत के समंदर में भविष्य उठने वाली लहरों की लपलपाहट को नाप रहे हैं, और जान रहे हैं कि लहरें कितनी भी लपलपाती रहे, उनकी नियति तो आखिर समंदर में समाना ही है।

राजनीति के गलियारों में सवाल हैं कि राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस दोनों की राजनीति में सचिन पायलट की सियासी सक्रियता के कम होने के मायने क्या है? और पायलट समर्थक बहुत छोटे से नेता अभिमन्यू पूनिया और गहलोत की राजनीतिक पौधशाला में पुष्पित पल्लवित हरीश चौधरी आखिर बेनामी हमले किस की शह पर कर रहे हैं। खिलाड़ीलाल बैरवा जैसे जनाधार विहीन लोगों की बकवास को किसकी शह है, यह भी जानना जरूरी है। वह भी ऐसे वक्त में, जब पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का अध्यक्ष बनाए जा सकने की चर्चाएं है। क्योंकि, मल्लिकार्जुन खड़गे तो खैर बहुत बाद में, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पिक्चर में आए, लेकिन कांग्रेस में गांधी परिवार के बाद निर्विवाद रूप से गहलोत ही सबसे अनुभवी और विपक्षियों में सबके साथ संबंध निभाने वाले विश्वसनीय नेता माने जाते हैं। राजनीतिक विश्लेषक अरविंद चोटिया कहते हैं कि राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और हाल ही में नियुक्त उप नेता रामकेश मीणा व मुख्य सचेतक रफीक खान सभी तो गहलोत समर्थक ही हैं। मतलब, गहलोत राजनीतिक रूप से आलाकमान के सबसे करीब हैं।

पूर्व सीएम का आखरी सांस तक राजस्थान की सेवा का संकल्प

गहलोत 'आखरी सांस तक राजस्थान की सेवा' करने की बात कहते रहे हैं। मगर, उनकी टक्कर में आने के लिए यही बात सचिन पायलट भी तो कह चुके हैं कि वे किसी पद पर रहें या न रहें, अंतिम सांस तक राजस्थान की जनता की सेवा करते रहेंगे। राजस्थान में इन दो ताकतवर नेताओं के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी अपनी ताकत के तेवर दिखाते रहे हैं। उनके कार्यकाल में लोकसभा चुनाव में राजस्थान में कांग्रेस की ताकत जबरदस्त बढ़ी है और उस दौर में गहलोत पूरे चुनाव राजस्थान में ही जमे रहे। डोटासरा और गहलोत पार्टी जीत सकने वालों को हर हाल में जिताने की जुगत में जुटे रहे। मगर पायलट भले ही राजस्थान की सेवा का वादा करें, लेकिन मजबूरी है कि वे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी हैं, पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव भी हैं और सात प्रदेशों में हुए उप चुनावों में कांग्रेस की जीत पर बयान देने के साथ ही, कश्मीर में आतंकी हमलों जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार रखकर राजनीति के राष्ट्रीय फलक पर अपनी छवि निखारते दिखते हैं।

लोकसभा चुनाव में दिया था बीजेपी को झटका

राजस्थान में बीजेपी लगातार दो आम चुनाव से सभी 25 सीटें जीत रही थी, मगर कांग्रेस ने अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में इस बार के आम चुनाव में अपनी जबरदस्त ताकत दिखाई। गहलोत की अपनी कसी हुई चुनावी रणनीति को कार्यान्वित करने की पहल, उम्मीदवारों की अदलाबदली सहित गठबंधन की कूटनीति, और अपनी सरकार के वक्त की योजनाओं के माहौल के जरिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को साथ लेकर दिखाए गए गहलोत के राजनीतिक कमाल ने बीजेपी को पस्त कर दिया। हालांकि, गहलोत के बेटे वैभव गहलोत जालोर से चुनाव हार गए, लेकिन कांग्रेस ने लोकसभा की 11 सीटें बीजेपी से झटक लीं। गहलोत और टडोटासरा का यह वो कदमाल था, जो सचिन पायलट दो आम चुनाव में भी नहीं दिखा सके। पायलट के 7 साल लंबे प्रदेश कांग्रेस अक्ष्यक्ष के कार्यकाल में दोनों बार आम चुनाव में कांग्रेस को सभी 25 लोकसभा सीटों पर बहुत बुरी हार का मुंह देखना पड़ा। यहां तक कि पायलट खुद भी अजमेर से चुनाव हार गए थे।

डोटासरा का बीजेपी पर जुबानी हमले जारी

राजस्थान में कांग्रेस और कांग्रेसियों में कोई बहुत हलचल नहीं है, अकेले डोटासरा ही बीजेपी पर जुबानी हमले कर रहे हैं और गहलोत इन दिनों स्लिप डिस्क की वजह से पूरी तरह से बेड रेस्ट पर हैं। दरअसल, स्लिप डिस्क कमर की वह तकलीफ है, जो किसी को जब जकड़ती है, तो व्यक्ति को उस हद तक परेशान कर देती है कि उसका चलना, फिरना उठना और बैठना तो दूर की बात, करवट बदलना भी बहुत मुश्किल हो जाता है। और लंबे समय तक आराम ही उससे निजात दिला सकता है। आमजन में

गहलोत का मूवमेंट और मिलना जुलना लगभग बंद सा है। इसी वजह से राजस्थान में कांग्रेस कुछ ठहरी ठहरी सी है। 29 अप्रैल को गहलोत चुनाव प्रचार के लिए चंडीगढ़ पहुंचे थे और वहीं से स्लिप डिस्क का यह जो मामला चला, तो अब तक चल ही रहा है।

केंद्रीय राजनीति में फिर आने की जुगत में पायलट

मरते दम तक राजस्थान की सेवा के प्रण का पराक्रम दिखाने वाले सचिन पायलट राजस्थान के अलावा सभी मुद्दों पर बोल रहे है और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने बयानों के जरिए देश का नेता बनने की जुगत में जुटे लग रहे हैं। मूर्ति के अनावरण और एकाध प्रेस कॉन्फ्रेंस व किसी के शपथ ग्रहण समारोह को छोड़ दें, तो राजस्थान के कांग्रेसी राजनीतिक परिदृश्य से पायलट लगभग गायब ही हैं। विधायक के तौर पर प्रदेश में बीजेपी की सरकार के बजट की आलोचना भले ही की हो, मगर उनकी राजनीतिक गतिविधियां लगभग ठप है। उधर, छत्तीसगढ़ में भी कुल 11 लोकसभा सीटों में से 10 पर कांग्रेस की करारी हार के बाद उनके प्रभारी होने के राजनीतिक कौशल पर भी सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले, जब वे राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष थे, तभी 2019 और 2024 के दोनों आम चुनावों में उनके नेतृत्व में कांग्रेस को सभी 25 सीटों पर करारी हार का मुंह देखना पड़ा था। जबकि इस बार गहलोत और डोटासरा की जोड़ी ने बीजेपी से 11 सीटें झटक ली। पायलट शायद इसीलिए सन्न हैं और फिर से सक्रियता दिखाने के मौके की तलाश में हैं। राजनीति के जानकार कहते हैं कि बहुत संभव है कि पायलट अपने जन्मदिन 7 सितंबर का इंतजार कर रहे हैं, जब रक्तदान या वृक्षारोपण जैसे चर्चित कार्यक्रमों के जरिए एक बार फिर अपनी सक्रियता दिखा सकें। वैसे, जो हालात दिख रहे हैं, उनमें तो यही कहा जा सकता है कि गहलोत की पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। इसलिए उनके बेड रेस्ट से आजाद होने की प्रतीक्षा जरूरी है। लेकिन राजनीति में प्रतीक्षा के मायाजाल का भी अपना अलग ब्रह्म सत्य है। कुछ लोग जीवन भर किसी पद की प्रतीक्षा करते रहते हैं, और कुछ लोग आसानी से उस पद को जी कर आगे भी बढ़ जाते हैं। पायलट फिलहाल तो अपना वक्त आने की प्रतीक्षा ही कर रहे हैं। मगर, देखते हैं, पायलट की प्रतीक्षा का प्रतिफल कब सामने आता है, या फिर आता भी है कि नहीं!

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारतीय खेल इतिहास का हृदय विदारक घटना!

पेरिस ओलंपिक से आई एक खबर ने भारत के 140 करोड़ देशवासियों को मायूस तो किया ही साथ ही गुस्से से भी भर दिया। दरअसल भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट को कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग तय सीमा से ज्यादा वजन की वजह से डिस्क्वालीफाइ कर दिया। ओलंपिक में हुए इस फैसले से पूरे देश में कोहराम मच गया है। विनेश के परिवार से लेकर आम लोगों तक ने कहा है कि विनेश के साथ साजिश हुई है। उधर भारत के प्रधानमंत्री मोदी से लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विनेश को चैंपियन बताते हुए उनके खेल की सराहना की है। पीएम मोदी ने ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से पूरे मामले को इटरनेशन ओलंपिक कमेटी के सामने जोरदार तरीके से उठाने को कहा है। सरकार की ओर खेल मंत्री ने संसद में मामले की पूरी जानकारी दी है। उधर इस फैसले से पहलवान विनेश को इतना करारा सदमा लगा की उनकी तबियत बिगड़ गई जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा फिलहाल वह स्वस्थ हैं।

हालांकि पूरे मामले का खुलासा तो जांच के बाद ही पता चलेगा। पर प्रथम दृष्टया तो इसमे बेईमानी की नजर आ रही है। क्योंकि खिलाड़ी को वजन करने के लिए समय मिला था वह अपर्याप्त था। वहीं भारतीय फेडरेशन की ओर से कोच व फिजियों के कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। कुल मिलाकर यह फैसला विवादास्पद हे और खेल भावना को कलंकित करने वाला है। सोचने वाला है कि यह एक त्रासदी है कि वो खेल में हारकर नहीं बल्कि हल्का सा वजन ज्यादा होने के कारण आगे खेलने से अयोग्य ठहरा दी गईं। क्योंकि उनका वजन तय सीमा से 100-150 ग्राम ज्यादा था। कल ओलिंपिक के सेट पर धड़ाधड़ पटखनी दे रहीं विनेश फोगाट यूं गेम से बाहर हो जाएंगी, ये कौन सोच सकता है, भारतीय कुश्ती के इतिहास में पहला ओलिंपिक गोल्ड मेडल मिलने का सपना देख रहा पूरा देश ये कैसे विश्वास करे कि गोल्ड क्या कोई मेडल नहीं मिल पाएगा! सपनों पर इतना बड़ा आघात, उम्मीदों पर इतना बड़ा प्रहार, आकांक्षाओं को इतना बड़ा झटका! ये महज नियम पर खरा उतरने में चूक का मामला नहीं, एक त्रासदी है। पेरिस में मिले जख्म ने विनेश को अस्पताल ही नहीं पहुंचाया, भारत की भावनाओं को रौंद दिया। सोशल मीडिया के घरौंदे में करोड़ों आहत मन का चित्कार गूंज रहा है। किसी को नियम की आड़ में बेईमानी की बू आ रही है तो कोई ओलिंपिक का बहिष्कार करने तक का मन बना चुका है। विनेश फोगाट फाइनल में पहुंचने के बाद रातभर नहीं सोईं और अतिरिक्त दो किलो वजन घटाने के लिए कड़ी मेहनत करती रहीं। लेकिन 100 ग्राम से छंट गईं और अब अस्पताल में हैं। आखिर हम भी इस सदमे से कैसे उबर पाएंगे? यह भारतीय खेल इतिहास का संभवत सबसे निष्ठुर, विनाशकारी और हृदय विदारक घटना है।

“ओलंपिक में हुए इस फैसले से पूरे देश में कोहराम मच गया है। विनेश के परिवार से लेकर आम लोगों तक ने कहा है कि विनेश के साथ साजिश हुई है। उधर भारत के प्रधानमंत्री मोदी से लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विनेश को चैंपियन बताते हुए उनके खेल की सराहना की है। पीएम मोदी ने ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से पूरे मामले को इटरनेशन ओलंपिक कमेटी के सामने जोरदार तरीके से उठाने को कहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परीक्षाओं के लिए जान पर खेलते बच्चे

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों से दिल्ली के कोचिंग सेंटर चर्चा में हैं। बारिश के कारण एक बेसमेंट में पानी भर गया और तीन बच्चों ने अपनी जान गंवा दी। उससे पहले यूपीएससी की ही तैयारी करने वाला एक बच्चा बारिश में करंट लगने से मर गया। हर साल लाखों बच्चे अपनी आंखों में तमाम सपनों को लिए यहां आते हैं और जीवन के बहुमूल्य वर्ष लगा देते हैं। कोचिंग सेंटर्स में देश भर से आए बच्चे यूपीएससी की तैयारी करते हैं। वे किन विकट परिस्थितियों में रहते हैं, इसे मीडिया ने बार-बार दिखाया और बताया है। कितनी कम जगह के लिए उन्हें भारी किराया देना पड़ता है। कैसा खाना मिलता है। मकान मालिक बिजली का खर्चा बहुत ज्यादा लेते हैं। उस पर रात-दिन की मेहनत। लेकिन जब तक कोई हादसा नहीं होता, कोई नहीं जागता। न सरकार, न कोचिंग सेंटर्स के मालिक, न ही बच्चे, न बच्चों के माता-पिता। मीडिया भी। क्योंकि ये कोचिंग सेंटर्स बड़े विज्ञापनदाता भी हैं।

आखिर इनसे कौन दुश्मनी मोल लेकर अपनी आय का नुकसान करे। न ही सरकारी अधिकारियों को कभी इस बात का खयाल आता है कि वे उन चीजों को अनदेखा कर रहे हैं जो कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। हां, जब दुर्घटना हो जाती है, तब जिम्मेदारी एक से दूसरे पर डाल दी जाती है। फिल्म बारहवीं फेल में भी हम ये सब देख चुके हैं। यह फिल्म बहुत सफल भी हुई थी। बच्चे ही नहीं उनके माता-पिता चाहते हैं कि किसी तरह बच्चा आईएएस या, आईपीएस, अथवा अन्य सेवाओं में एक बार आ भर जाए तो न केवल उसकी जिंदगी बन जाए बल्कि माता-पिता की भी और दहेज भी मोटा मिले। एक बार एक खबर पढ़ी थी कि जो बच्चे आईएएस बन जाते हैं, उनका नाम लिस्ट में देखकर उनके घर में बड़ा वाहन रुपये लेकर लोग पहुंच जाते हैं। और रिश्ता पक्का करना चाहते हैं। यूपीएससी का इम्तिहान देने के लिए हर साल लाखों बच्चे तैयारी करते हैं जबकि चयन कुछ ही का होता है। एक सफल के पीछे हजारों असफल खड़े रहते हैं। कई-कई बार तो दशकों इसमें निकल जाते हैं, मगर सफलता के साथी सब हैं असफलता की कहानी कोई नहीं कहता।

न ही उस संघर्ष और जी तोड़ मेहनत के बारे में बताया जाता है कि वर्षों तक अठारह-बीस घंटे मेहनत करने और सब कुछ दांव पर लगाने के बावजूद कुछ हाथ नहीं आया। आंकड़ों

के अनुसार दिल्ली में रहकर पढ़ाई करने वाले बच्चों की सफलता का प्रतिशत औरों से ज्यादा है, इसीलिए बच्चे दिल्ली आते हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या में बच्चे बिहार से आते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि साल 2002 से 2012 में परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अठारह हजार, एक सौ चौहत्तर बच्चों ने इंटरव्यू दिया था। मगर सफल सिर्फ दो हजार, दो सौ इकतालीस बच्चे ही हुए थे। सफलता का प्रतिशत इतना कम होने पर भी इस परीक्षा की तैयारी करने वाला हर बच्चा सोचता है कि वह अपने परिश्रम से जीत हासिल कर लेगा, पर ऐसा होता बहुत कम के साथ है। यूपीएससी को कठिनतम परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अफसोस होता है कि बच्चों के परिजन, साथ में जहां रहकर ये तैयारी करते हैं वे सेंटर्स, न इनके स्वास्थ्य का खयाल रखते हैं न इनकी मामूली सुविधाओं का। ये पैसे बरसाने वाली मशीनें हैं, जो जितनी बड़ी संख्या में आएंगी लोगों की जेबें उतनी ही फूलती जाएंगी। तभी तो दिल्ली में कुल कोचिंग सेंटर्स की संख्या पांच सौ तिरासी है और सिर्फ सड़सठ के पास सुरक्षा मानकों को पूरे करने वाले प्रमाण पत्र हैं। आखिर बिना सुरक्षा मानक पूरे किए इन सेंटर्स को क्यों चलने दिया गया। फिर कोचिंग सेंटर्स हमेशा अपनी सफलताओं को बहुत रंगीन बनाकर पेश करते हैं। बहुत से इसमें झूठ-सच का सहारा भी लेते हैं। इसमें एक उदाहरण देना काफी होगा। करीब सत्ताईस-अट्ठाईस साल पहले एक युवा का न केवल आईआईटी बल्कि देश के बहुत से इंजीनियरिंग संस्थानों में चुनाव हुआ था। जैसे ही रिजल्ट आया कोचिंग संस्थानों से फोन आने लगे कि वह युवा अपना फोटो उन्हें छापने की अनुमति दे। जिसमें वे कह सकें कि इस युवा ने इतनी सफलता इसलिए पाई कि अमुक संस्थान से ट्रेनिंग ली थी। वे इसके लिए बड़ी रकम देने को भी तैयार थे। जबकि इस युवा ने खुद ही पढ़ाई की थी। इस युवा ने कोचिंग संस्थान वालों से मना कर दिया।

ऐसा आज भी होता है। कोचिंग संस्थान चाहे यूपीएससी के हों, इंजीनियरिंग के हों, अथवा मेडिकल या एमबीए के, अधिकांश की कहानी कमोबेश एक जैसी ही होती है। कोटा में भी यही हाल देखने को मिलता है। वहां तो और भी कम उम्र के बच्चे मेडिकल की तैयारी करने आते हैं। बहुत बार इतने निराश होते हैं कि जान दे देते हैं। लेकिन अन्य परीक्षाओं के साथ यूपीएससी की कहानियां बेहद दर्दनाक हैं। खास तौर से तब जब वे असफलता से जुड़ी हों।

समाज सुधार के बिना आर्थिक विकास अधूरा

बेटियों की शिक्षा बढ़नी चाहिए व साथ में खेलों में, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बेहतर अवसर मिलने चाहिए। जुआ या गैंबलिंग कई रूप में आ गया है। सभी तरह के जुए से दूर रहना चाहिए। साथ में यह विचार विकसित होना चाहिए कि जो अपनी मेहनत की कमाई है, वही सबसे उचित कमाई है। सभी तरह के अपराधों से दूर रहने का विचार सभी लोगों में विशेषकर युवाओं में प्रतिष्ठित करना चाहिए। समाज में किसी के प्रति भी भेदभाव नहीं होना चाहिए।

भारत डोगरा

प्राय: आर्थिक विकास को अधिक महत्व दिया जाता है पर अनुभव से पता चलता है कि समाज-सुधार के समुचित प्रयासों के बिना आर्थिक विकास अधूरा ही रह जाता है। इसमें अनेक विसंगतियां भी आ सकती हैं। अत: समाज-सुधार के समग्र कार्यक्रम पर व्यापक सहमति बनाकर इसे निरंतरता से आगे ले जाना चाहिए। इसमें एक बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि सभी तरह के नशे को न्यूनतम करने के लिए निरंतरता से जन-अभियान चलने चाहिए। सभी तरह के नशे न्यूनतम कैसे हो सकते हैं, इसकी एक सुलझी हुई समझ बना लेनी चाहिए। फिर इस आधार पर सभी गांवों व शहरी बस्तियों में नशा-विरोधी समितियों का गठन कर निष्ठापूर्वक कार्य होना चाहिए। इस प्रयास में अग्रणी भूमिका महिलाओं की होनी चाहिए। महिलाओं के विरुद्ध जो विभिन्न तरह की हिंसा होती है, उसे न्यूनतम करने के प्रयास निरंतरता से होने चाहिए, पर केवल यही पर्याप्त नहीं है। महिलाओं को समाज में अधिक सम्मान मिले इसके लिए प्रयास होंगे तो महिला-विरोधी हिंसा अपने आप कम होगी।

महिलाओं की गरिमामय स्थिति बनी रहे पर साथ में उन्हें समाज के सभी क्षेत्रों से अधिक खुलकर जिम्मेदारियां निभाने और कार्य करने के अवसर मिलने चाहिए। बेटियों की शिक्षा बढ़नी चाहिए व साथ में खेलों में, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बेहतर अवसर मिलने चाहिए। जुआ या गैंबलिंग कई रूप में आ गया है। सभी तरह के जुए से दूर रहना चाहिए। साथ में यह विचार विकसित होना चाहिए कि जो अपनी मेहनत की कमाई है, वही सबसे उचित कमाई है। सभी तरह के अपराधों से दूर रहने का विचार सभी लोगों में विशेषकर युवाओं में प्रतिष्ठित करना चाहिए। समाज में किसी के प्रति भी भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग, क्षेत्रीयता आदि किसी भी आधार पर भेदभाव अनुचित है। सभी मनुष्यों की समानता को हृदय से स्वीकार करना चाहिए व इस आधार पर सभी की भलाई के लिए सोचना चाहिए। इस तरह के विचारों के प्रसार से समाज तरह-तरह की संकीर्णता व उस पर आधारित द्वेष व आक्रामकता से मुक्त होगा।

अपने से निर्धन या कमजोर स्थिति के किसी भी व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार उसकी भलाई को बढ़ाने वाला व नम्रता का होना चाहिए। उसकी कमजोर स्थिति के आधार पर उसका शोषण कभी नहीं करना चाहिए अपितु यह सोचना चाहिए कि यथासंभव हम उसकी कितनी सहायता कर सकते हैं। शोषण की सोच से समाज को मुक्त करना समाज-सुधार का एक अति महत्वपूर्ण पर उपेक्षित पक्ष है। परिवार में, आस-पड़ोस में व अन्य स्तरों पर लड़ाई-झगड़ों, क्रोध में बोले गए कठोर वचनों से बचना चाहिए।

बदले की भावना में सुलगते रहने या अदालती झगड़ों में उलझने के स्थान पर यथासंभव किसी वाद-विवाद को स्वयं व मित्रों की सहायता से शीघ्र सुलझा लेना चाहिए। आस-पड़ोस में व गांव समुदायों में या शहरी मोहल्लों में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा व ईर्ष्या के माहौल के स्थान पर आपसी सहयोग व मिल-जुलकर कार्य करने के माहौल को तैयार करना चाहिए। बच्चों को भी अत्यधिक प्रतिस्पर्धा की होड़ से बचाना चाहिए। सादगी के जीवन को नए सिरे से प्रतिष्ठित करना चाहिए। विशेषकर समारोहों, उत्सवों, शादी-ब्याह आदि में अधिक खर्च करने से बचना चाहिए। समाज में व्यापक प्रयास से दहेज-प्रथा को यथासंभव समाप्त ही कर देना चाहिए। विवाह जैसे पारिवारिक जरूरी कार्यों के लिए कोई तनाव न हो व आपसी सहयोग, कम खर्च से सब परिवार अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें, ऐसा प्रयास करना चाहिए। तकनीकी विकास व बदलावों के दौर में समाज में यह चेतना विकसित होनी चाहिए कि नए तकनीकी उपकरणों से जहां अनेक लाभ होते हैं वहां इनका दुरुपयोग भी हो सकता है। इससे सामाजिक क्षति भी हो सकती है।

अत: तकनीकी प्रसार के साथ इनके सुरक्षित व जिम्मेदारी भरे उपयोग के महत्व को भी समाज में रेखांकित करना चाहिए। पर्यावरण रक्षा की जिम्मेदारी हम सभी की है व हमें इसे निभाना चाहिए। इस सोच का प्रसार निरंतरता से होना चाहिए। नागरिकों को कूड़ा निपटाने के बेहतर ढंग अपनाने चाहिए। पर्यावरण की रक्षा को सादगी की जीवनशैली से जोड़ने की समझ समाज में विकसित होनी चाहिए। सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित होनी चाहिए। जरूरी नहीं है कि समाज-सुधार का कार्यक्रम इस आधार पर ही बने पर ये कुछ महत्वपूर्ण संकेतक हैं जिनके आधार पर बेहतर समाज निर्माण हो सकता है जिसमें दुख-दर्द और तनावों को बहुत कम किया जा सके। यह भी जरूरी नहीं कि सभी गांवों व मोहल्लों में सब जगह एक-सा ही कार्यक्रम बने, पर जब एक बार वे आपसी सहमति से कार्यक्रम बना लें तो महिलाओं के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को निष्ठापूर्ण व निरंतरता से आगे अवश्य बढ़ाएं।

खान-पान के लिए प्रसिद्ध है भारत

स्वाद के लिए फेमस हैं यह जगहें

खाने के शौकीन लोग स्वाद के लिए हमेशा ही अच्छी जगहों की तलाश में रहते हैं। शहर में कहां क्या व्यंजन या पकवान अच्छा मिलता है, इसकी जानकारी एकत्र करते हैं। भारत तो अपने खान-पान के मामले में काफी समृद्ध देश हैं। यहां अलग-अलग राज्यों और शहरों में भिन्न-भिन्न पकवान मशहूर और लोकप्रिय हैं। कहीं का स्ट्रीट फूड तो कहीं का भोजन अपने राज्य या शहर को परिभाषित करता है। जिसे भौगोलिक आधार पर, पंजाबी खाना, राजस्थानी थाली, गुजराती व्यंजन आदि नामों से जाना जाता है। पर्यटक जो घूमने और खाने दोनों के ही शौकीन होते हैं, उनके लिए सफर के दौरान जगह-जगह की मशहूर डिश का स्वाद चखना आसान हो जाता है। अगर आप घूमने के लिए किसी पर्यटन स्थल की तलाश में हैं, जहां अपने खाने के शौक को भी पूरा करना चाहते हैं तो भारत की इन जगहों पर जरूर जाएं।

इंदौर की नमकीन

मध्यप्रदेश के पकवान भी काफी लोकप्रिय हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल और इंदौर के स्ट्रीट फूड का स्वाद ले सकते हैं। इंदौर की नमकीन बहुत मशहूर हैं। यहां बिना तेल का समोसा, मशहूर मैगी, रामबाबू के पराठे, मालपुआ, दाल बाटी, दही बड़ा, पोहा, मूंग भजिया और साबूदाना खिचड़ी का स्वाद लेने इंदौर आ सकते हैं।

अमृतसर की लस्सी

लजीज और स्पाइसी खाने का शौक है तो पंजाब, चंडीगढ़ या अमृतसर जा सकते हैं। यहां की हरियाली, स्वर्ण मंदिर तो आपको पसंद आएगी ही, साथ ही अमृतसरी कुलचे, मक्के की रोटी, सरसों का साग, अदरक की चाय, आलू के पराठे जैसे खाद्य का स्वाद लिया जा सकता है। इसके अलावा यहां की लस्सी, मटन, चिकन टिक्का, फालूदा संग फ्रूट क्रीम का मजा भी ले सकते हैं।

लखनऊ की चाट

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ भी लजीज पकवानों के लिए मशहूर है। यहां का सबसे मशहूर व्यंजन कबाब है, जिसका स्वाद देश भर के लोग चखना चाहते हैं। इसके अलावा चिकन कोरमा, अवधि चिकन करी, रोगन जोश, लखनवी पुलाव, कटोरी चाट, काजू करी, शाही टुकड़ा और फालूदा कुल्फी खाने यहां जरूर जाएं।

जयपुर की दाल बाटी

राजस्थान का लगभग हर शहर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां का शाही सत्कार, रेगिस्तान, नृत्य और झीले तो पर्यटकों को पसंद आता ही है, साथ ही खाने की डिश भी अन्य जगहों से अलग मिल जाती है। लजीज पकवानों का स्वाद लेना चाहते हैं तो राजस्थान के जयपुर की ओर रुख कर सकते हैं। जयपुर में राजस्थानी थाली का लुत्फ उठा सकते हैं। दाल बाटी चूरमा, प्याज की कचौड़ी, गट्टे की सब्जी आदि यहां सबसे बेहतर मिलती है।

चेन्नई का डोसा

चेन्नई भारत के सबसे अच्छे शहरों में से एक है जो विभिन्न प्रकार के मसालों के साथ शानदार व्यंजनों का संयोजन प्रदान करता है। चेन्नई न सिर्फ इडली डोसा के लिए जाना बल्कि यहां के कुछ लोकप्रिय व्यंजन भी हैं, जिन्हें आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए। यहां वड़ा के कई किस्म का स्वाद ले सकते हैं। जिगर थंडा, फिल्टर कॉफी, मुर्क, सुंदल, मैसूर पाक, बिरयानी, फिश फ्राई और पनियारम जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

अहमदाबाद

अहमदाबाद की गलियों में मिलने वाले व्यंजनों की खास बात इनका अनोखा स्वाद है इसके अलावा देश के दूसरे कोनो में मिलने वाले स्ट्रीट फूड के मुकाबले इनका स्वाद भी अलग होता है।

कोलकाता में फल की कुल्फी

कोलकाता का बंगाली व्यंजन स्वादों का त्योहार है, जो ताजी सब्जियों, तृप्तिदायक मिठाइयों, मांस के व्यंजनों और स्वादिष्ट समुद्री भोजन से भरपूर है। स्थानीय भोजन खाना वास्तव में अनुभव करने का सबसे अच्छा तरीका है कोलकाता। जैसे ही आप शहर का भ्रमण करें, प्रत्येक भोजन को एक साहसिक कार्य बनाएं। कोलकाता के प्रसिद्ध भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन जैसे माछेर झोल, एक मसालेदार मछली करी, और लूची, एक नरम, रोटी दूध कोला, फल की कुल्फी, घाटी गोरोम, आलू काबली शामिल है जो हर चीज के साथ मिलती है। मिष्टी दोई, एक प्रसिद्ध बंगाली मिठाई, जो आपके स्वाद को ठंडा करने के लिए बहुत अच्छी है, अवश्य आजमाए। सूची यहीं नहीं रुकती। हमारे पास आपके लिए कई प्रसिद्ध व्यंजन हैं। हमने कोलकाता के 15 प्रसिद्ध खाद्य पदार्थों की एक सूची तैयार की है जिन्हें आपको यात्रा के दौरान अवश्य आज़माना चाहिए।

हंसना मना है

लड़की- प्लीज मुझे सीट दे दो? लड़का - क्यूं दे दूं? लड़की- अरे लड़की खड़ी है, सीट भी नहीं दे सकते क्या? लड़का - आप मुझसे शादी कर लो? लड़की- किस खुशी में कर लूं? लड़का- लड़का कुंवारा घूम रहा है, शादी भी नहीं कर सकती?

खिड़की पर खड़े आदमी को कैशियर ने कहा पैसे नहीं है, ग्राहक- और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां- कौन है यह, लड़का- यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां- कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब, लड़का- पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठ किसी का इंतज़ार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी — भगवान पर विश्वास को डिगने न दें

एक आदमी जब भी दफ्तर से वापस आता, तो कुत्ते के प्यारे से पिल्ले रोज उसके पास आकर उसे घेर लेते थे क्योंकि वो रोज उन्हें बिस्कुट देता था। एक रात जब वो दफ़्तर से वापस आया तो पिल्लों ने उसे घेर लिया लेकिन उसने देखा कि घर में बिस्कुट ओर ब्रेड दोनों खत्म हो गए हैं। रात भी काफी हो गई थी, इस समय दुकान का खुला होना भी मुश्किल ही था, सभी पिल्ले बिस्कुट का इंतजार करने लगे। उसने सोचा कोई बात नहीं कल खिला दूंगा, ओर ये सोचकर उसने घर का दरवाजा बंद कर लिया, पिल्ले अभी भी बाहर उसका इंतजार कर रहे थे। ये देखकर उसका मन विचलित हो गया, तभी उसे याद आया कि घर में मेहमान आये थे, जिनके लिए वो काजू बादाम वाले बिस्कुट लाया था। उसने फटाफट डब्बा खोला तो उसमें सिर्फ 7-8 बिस्कुट थे, इतने बिस्कुट से तो कुछ नहीं होगा, एक का भी पेट नही भरेगा, पर सोचा कि चलो सब को एक एक दे दूंगा, तो ये चले जायेंगे। उन बिस्कुट को लेकर जब वो बाहर आया तो देखा कि सारे पिल्ले जा चुके थे, सिर्फ एक पिल्ला उसके इंतज़ार में अभी भी इस विश्वास के साथ बैठा था कि कुछ तो जरूर मिलेगा। उसने वो सारे बिस्कुट पिल्ले के सामने डाल दिये। पिल्ला बड़ी खुशी के साथ वो सब बिस्कुट खा गया और फिर चला गया। बाद में उस आदमी ने सोचा कि हम मनुष्यों के साथ भी तो यही होता है, जबतक ईश्वर हमें देते रहते हैं, तब तक हम खुश रहते हैं और भक्ति में लगे रहते हैं। लेकिन भगवान को जरा सी देर हुई नही कि हम उसकी भक्ति पर संदेह करने लगते हैं, दूसरी तरफ जो उसपर विश्वास बनाये रखता है, उसे उसके विश्वास से ज्यादा मिलता है। इसलिये अपने प्रभु पर विश्वास बनाये रखें, अपने विश्वास को किसी भी परिस्थिति में डिगने ना दें, अगर देर हो रही है इसका मतलब है कि प्रभु आपके लिए कुछ अच्छा करने में लगे हुए हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु

सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुम्भ

धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन

रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। भूमि व दुकान आदि के खरीदने की योजना बनेगी। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

आयरनमैन ट्रायथलॉन के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं सैयामी

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की तैयारी में जुटी हुई हैं। अभिनेत्री इस दौड़ में भाग में लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो सितंबर में आयोजित की जाएगी। सैयामी इस रेस में भाग लेने वाली बॉलीवुड की पहली अभिनेत्री हैं। मगर सैयामी को इस बात की उम्मीद है कि इसमें भाग लेने वाली वो आखिरी एक्ट्रेस नहीं होगी। आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस को दुनिया की सबसे कठिन ट्रायथलॉन में से एक माना जाता है। इसमें स्विमिंग, साइकिल चलाना और दौड़ना एक के बाद एक कई चीजें शामिल हैं। सैयामी खेर ने हाल ही में इसे लेकर बात करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल उनकी शारीरिक क्षमताओं बल्कि मानसिक शक्ति का भी टेस्ट करेगी। उन्होंने कहा कि दौड़ में अभी 40 दिन बाकी हैं और वह इसे लेकर थोड़ी नर्वस हो रही हैं। सैयामी खेर ने कहा, मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह कुछ ऐसा है, जो मैं वास्तव में बहुत समय से करना चाहती थी। मैं 2020 में इसका प्रयास कर रही थी, लेकिन कोविड-19 आ गया। मैंने ट्रेनिंग ली थी, लेकिन दौड़ रद्द हो गई थी। इसके बाद मैं इसे करने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थी। अब, मैंने अपना दिमाग फिर से इस पर लगा दिया। उन्हें रेस, स्विमिंग और साइकिल चलाने में बेहतर होने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मुझे तीनों में ही अच्छी तरह से ट्रेनिंग लेने की आवश्यकता है। पिछले साल जून में इटली में मेरा साइकिल चलाने में एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद लगभग आठ महीने तक मैंने कुछ भी नहीं किया। क्योंकि मैं मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थी। इस साल फरवरी में मैंने रेस के लिए ट्रेनिंग ली। यह छह महीने की बहुत ही कठिन ट्रेनिंग थी। मैं सच में बहुत मेहनत कर रही हूं, क्योंकि मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही हूं। मैं हर दिन दो घंटे ट्रेनिंग लेती हूं। छुट्टी के दिनों में पांच-छह घंटे की ट्रेनिंग लेती हूं। मगर मैं इससे बिल्कुल भी परेशान नहीं हुई। अभिनेत्री ने कहा, इस दौड़ के लिए आपको मानसिक रूप से बेहद मजबूत होना पड़ता है क्योंकि आपको दौड़ के दौरान संगीत सुनने की अनुमति नहीं होती है।

कृति सेनन के रांझणा बनेंगे धनुष!

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों रायन की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी आने वाली फिल्म कुबेर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, इस बीच अब अभिनेता को लेकर एक और दिलचस्प खबर सामने आ रही है, जो उनकी नई फिल्म को लेकर है। खबर है कि उनकी जोड़ी एक बार फिर बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ बन सकती है। वह अभिनेत्री कृति सेनन है। सोशल मीडिया पर यह खबर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जल्द ही एक नई फिल्म में धनुष और कृति सेनन एक साथ काम करते नजर आएंगे। 2013 में रांझणा की सफलता के बाद निर्देशक आनंद एल राय और अभिनेता धनुष एक बार फिर तेरे इश्क में नाम की एक और रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। एक साल पहले एक विशेष वीडियो के साथ इसकी घोषणा की गई थी, लेकिन अभी तक कलाकारों की पुष्टि नहीं हुई है, जिससे चर्चा है कि कृति सेनन इस संगीतमय प्रेम कहानी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृति धनुष के साथ अभिनय करने के लिए बातचीत कर रही हैं। कृति सेनन और धनुष दोनों पहले भी निर्देशक आनंद एल राय के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म एआर रहमान की म्यूजिकल होगी, जिसके बोल इरशाद कामिल द्वारा लिखे जाएंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कृति सेनन ने कुछ महीने पहले आनंद एल राय से कहानी सुनी थी और इस एक्शन लव स्टोरी की दुनिया में उतरने में दिलचस्पी दिखाई है। कहानी के अलावा, अभिनेत्री को अपने किरदार का आर्क और कहानी में उसके बदलने का तरीका भी पसंद आया है। अभिनेत्री ने प्रोजेक्ट पर चर्चा करने के लिए आज अंधेरी में आनंद एल राय के साथ मीटिंग की। उन्होंने आज मीटिंग में फिल्म के लिए मौखिक रूप से हां कर दी है।

आनंद एल राय की तेरे इश्क में के लिए मिलाया हाथ

मेरे तलाक के बाद मां को झेलनी पड़ी ज्यादा चुनौतियां : कुशा कपिला

कुशा कपिला एक जानी-मानी कॉमेडियन, अभिनेत्री और सोशल मीडिया सेलिब्रेटी हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ी रहती हैं। बीते कुछ महीनों में उनकी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। इन दिनों वह अपनी अगली वेब सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने जोरावर सिंह अहलूवालिया से अपने तालाक को लेकर भी बात की है। बीते कुछ महीनों कुशा, एक रोस्ट शो में उनके ऊपर किए गए जोक्स की वजह से भी वह काफी चर्चे में रहीं। हाल में ही फीवर एफएम के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने तलाक के बाद अपने अनुभवों को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि समाज महिलाओं के प्रति कितना कठोर हो सकता है, ये उन्हें तलाक के बाद पता लगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान उनकी मां को उनसे भी ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपने आप को किसी की राय से काफी दूर कर लिया था, लेकिन उनकी मां को रिश्तेदारों और समाज से बात करनी पड़ती थी। उन्हें लोगों की राय का सामना करना पड़ता था। कुशा ने कहा कि यह दुनिया की सच्चाई है, जितनी भी प्रगति हो जाए या होने की हम उम्मीद कर लें, कुछ चीजें लगभग वैसे ही रह जाती हैं। इसके अलावा इंटरनेट सेलिब्रेटी होने को लेकर भी उन्होंने बात की। उन्होंने कहा,यदि आपने अपनी दुनिया और जीवन को बहुत से लोगों के लिए खोल दिया है, तो आप नहीं सोच सकते की अगले पल आपके साथ क्या होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने कहा,आपको लेकर तरह-तरह की धारणाएं बनाई जाएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | रेगिस्तान के बीच में है नर्क से भी बदतर जेल

इस जेल को चलाते हैं आतंकी कैदी

अगर पूछा जाए कि नर्क से भी बदतर जेल दुनिया में कहां होगी, तो शायद लोग रूस या अमेरिका की कोई जेल कहेंगे। पर क्या आप यकीन करेंगें कि ह्यूमन राइट्स वॉच की नई रिपोर्ट के मुताबिक ऐसी एक जेल अफ्रीका के चाड के रेगिस्तान के बीच में हैं। जी हां, चाड के कोरो टोरो दंड कॉलोनी के अंदर व्याप्त अराजकता को उजागर करने वाली एक जेल को ऐसा ही कुछ कहा गया है। यह जेल चाड के रेगिस्तान में यह कुख्यात जेल बोको हरम आतंकी समूह के सदस्यों को रखने के लिए इस्तेमाल की जाती है, जो इस क्षेत्र में अराजकता फैलाते रहे हैं। इसमें चाड के विद्रोही भी रहते हैं जो इसे बेहद अस्थिर जगह बनाता है। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि जेल के अंदर वास्तव में क्या चल रहा है। इसमें 2022 में जेल में बंद प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए जेल चलाने वाली सेना को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेल में ले जाए गए छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, शवों को ट्रकों में फेंक दिया गया और उनका निपटान कर दिया गया। इसमें यह भी दावा किया गया है कि दो हिस्सों वाली ढहती हुई

जेल सेना चलाती है। उन्होंने बोको हरम से जुड़े कैदियों को कब्जा दे दिया है। अधिकारियों ने जिस जगह को दंड कॉलोनी करार दिया है, वहां सजा के तौर पर कैदियों को उनके टखनों से लोहे की सड़कों से बांधकर कई सप्ताह तक वहीं छोड़ दिया जाता है, उन्हें एकांत कारावास में रखा जाता है और ऐसी कोठरी में रखा जाता है जिसमें बिस्तर नहीं होते। और सबसे बुरी बात यह है कि ह्यूमन राइट्स वॉच की ने पाया कि सिर्फ 13 साल के बच्चों को कभी-कभी वयस्कों के साथ एक ही कमरे में दो सप्ताह तक रखा जाता है। उनका दावा है, पहले दो सप्ताह के दौरान, बंदी नंगे फर्श पर सोते थे, जब तक कि रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने गद्दे उपलब्ध नहीं कराए थे। ह्यूमन राइट्स वॉच ने बंदियों के कम से कम छह मामलों का दस्तावेजीकरण किया है, जिन्हें कोई चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिसमें पिटाई से लगी चोटें और हिरासत केंद्र तक पहुंचने के दौरान लगी चोटें शामिल हैं, और फिर कोरो टोरो में रहते हुए उनकी मृत्यु हो गई।

जिराफ जैसी लंबी होती हैं इन औरतों की गर्दन, गले में पहनती हैं छल्ले?

दुनिया में जितने देश हैं, उससे हीं ज्यादा मान्यताएं हैं। इन देशों में आज भी ऐसी कई जनजातियां रहती हैं, जो अपनी प्राचीन मान्यताओं का पालन करती आ रही हैं। ऐसी ही एक जनजाति म्यांमार में रहती है। इस जनजाति की औरतों की गर्दनें, जिराफ की गर्दन जैसी लंबी हो जाती हैं! ये औरतें अपने गले में धातु के छल्ले पहनती हैं। सैकड़ों टूरिस्ट इनके गांवों में जाकर इन औरतों के साथ फोटो खिंचवाते हैं। इन्हें देखकर बाकी लोगों को बहुत हैरानी भी होती है। पर ये छल्ले क्यों पहनती हैं? जब आपको इसका कारण पता चलेगा, तो आपके होश उड़ जाएंगे। अल जज़ीरा न्यूज वेबसाइट के अनुसार म्यांमार की कायन जनजाति पीतल के बने छल्लों को पहनने के लिए जाती जाती है। इस जनजाति की औरतें, अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक पहनती हैं। नीचे सबसे बड़े आकार के छल्ले होते हैं और उसके ऊपर घटते क्रम में ये छल्ले पहने जाते हैं। इस तरह इनकी गर्दनें लंबी हो जाती हैं। ये काफी कम उम्र से छल्ले पहनने लगती हैं, जिससे गले का आकार बदलकर सुराही नुमा हो जाता है। इस जनजाति में मान्यता है कि महिलाओं की जितनी पतली और लंबी गर्दन होगी, वो उतनी ही खूबसूरत लगेंगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये ब्रास के छल्ले 20 किलो तक भारी हो सकते हैं। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि खेतों में काम करना कितना मुश्किल होता होगा। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि ये प्रथा जब शुरू हुई थी, तब माना जाता था कि जिस महिला की गर्दन लंबी होगी, वो बदसूरत नजर आएगी, और उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। एक मान्यता ये भी है कि जिन गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां सदियों से बाघ पाए जाते हैं जो इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं। इसलिए यहां की महिलाओं ने सालों से गलो को धातु के छल्लों से ढकना शुरू कर दिया। 5-6 साल से बच्चियां गर्दन पर रिंग पहनने लगती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये रिंग 20 हजार रुपये तक की आती है। आज के वक्त में काफी युवतियां रिंग पहनना नहीं पसंद करती हैं। पर बहुत लोग इस ट्रेडिशन को बनाए रखने के लिए भी रिंग आज भी पहनती हैं।

चैंपियन बेटी के साथ हुआ अन्याय एवं षड्यंत्र : डोटासरा

पूरा देश विनेश के साथ मजबूती से खड़ा

» सचिन पायलट ने फोगाट को डिस्क्वॉलिफाई किए जाने को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। विनेश के साथ पूरा देश है। इसी के क्रम में राजस्थान में भी उसके समर्थन कई नेताओं के बयान आ रहे हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, ओलंपिक में फाइनल से पहले विनेश फोगाट को अयोग्य करार देना चैंपियन बेटी के साथ अन्याय एवं षड्यंत्र का इशारा कर रहा है। आज फाइनल मुकाबले से पहले सिर्फ कुछ ग्राम वजन अधिक बताकर डिस्क्वॉलिफाई करना संदेहास्पद एवं आश्चर्यचकित करने जैसा है।

विनेश के साथ करोड़ों भारतीयों की उम्मीद और भावनाएं हैं। प्रधानमंत्री जी को इस मामले में हस्तक्षेप करके आईओसी से मानवीय आधार पर मौका देने का आग्रह करना चाहिए। वहीं टोंक विधायक तथा कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट ने भी फोगाट को डिस्क्वॉलिफाई किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अपनी जगह बना चुकीं विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय ओलंपिक संघ मजबूती से विनेश का पक्ष रखेगा और न्याय दिलवाएगा। हर चुनौती का डटकर मुकाबला करना ही एक असली चैंपियन की पहचान होती है। विनेश, आप हौसले को मजबूत रखिए और अपने परिश्रम पर विश्वास रखिए। देश हमेशा आपके साथ है।

सोनिया गांधी से मिलीं मनु भाकर

पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी ने उन्हें बधाई दी और भविष्य की खेल प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने इस मुलाकात की तस्वीर जारी की है। मनु भाकर (22) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता।वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। उनसे पहले, केवल ब्रिटिश मूल के भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए : बेनीवाल

विनेश फोगाट को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विनेश को वापस खिलवाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खाली ट्वीट करने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि पूरा देश आज विनेश के साथ खड़ा है।

महिला को आत्मदाह के लिए उकसाने वाला वकील गिरफ्तार

» पुलिस को सबक सिखाने के लिए दिया घटना को अंजाम, दर्ज हुई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम आवास के पास महिला के द्वारा खुद को आग लगाने का मामला में पुलिस ने महिला क़ो आत्मदाह के लिए उकसाने वाले शख्श क़ो गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने महिला के वकील सुनील कुमार को किया गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया की वकील सुनील कुमार के कहने पर खुद पर पेट्रोल डालकर लगाई थी आग। सरकार की छवि धूमिल करने व पुलिस एवं सरकार के खिलाफ जनाक्रोश फैलाने के उद्देश्य से महिला को आत्मदाह करने के लिए वकील ने उकसाया था। गौतमपल्ली पुलिस ने महिला के वकील सुनील कुमार पर एफआई दर्ज कर ली है।

गौतमपल्ली थाने के दरोगा बागेश कुमार की शिकायत पर बीएनएस की धारा 108,49,226,131 और 61 के तहत गौतमपल्ली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस क़ो महिला के मोबाइल से 4 मुख्य वॉइस रिकॉर्डिंग मिली थी। वकील सुनील कुमार ने कहा था सीएम आवास के पास आग लगाओगी तो पुलिस तुम्हारे आगे पीछे घूमेगी। पुलिस ने बताया कि उन्नाव के पुरवा थाने के पुलिसकर्मियों क़ो सबक सिखाने के लिए वकील ने लगवाई थी आग। उन्नाव के पुरवा इलाके का रहने वाला हैं अधिवक्ता सुनील कुमार। ज्ञात हो कि मंगलवार सुबह सीएम आवास के पास उन्नाव की रहने वाली महिला ने खुद क़ो लगाई आग थी। अभी महिला का लखनऊ के मेडिकल कॉलेज मे हैं इलाज चल रहा है।

शेख हसीना से सीखें पीएम मोदी भागना कैसे है : भगवंत मान

» पंजाब के सीएम ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहादुरगढ़ (हरियाणा)। पंजाब के सीएम भगवंत मान शेख हसीना के बहाने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा मैं शख हसीना से विनती करता हूं कि मोदी जी को थोड़ा सिखा देना कि ऐसे काम नहीं करने, जिससे भागने की जरूरत पड़े या यह सिखा देना कि भागना कैसे है। उन्होंने हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल के लिए प्रदेश की जनता का समर्थन मांगा। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता भी मौजूद रहे।

मान ने कहा कि हम आम घरों से निकले हुए लोग हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के रामलीला मैदान से जब आम आदमी पार्टी बनाई तो उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टी बनाते हैं, जिसमें आम घरों के बेटे-बेटियां हों, क्योंकि दूसरी पार्टियों में विधायक, मंत्री और नेताओं के बेटे-बेटियां और रिश्तेदार ही चल रहे थे। आम घरों के बेटे-बेटियों को नारे लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। हरियाणा के लोगों ने बहुत नेताओं को जिताया, लेकिन नेता जीत जाते थे और जनता हार जाती थी।

तीज पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

» अलकनंदा अपार्टमेंट में महिलाओं ने नृत्य, स्किट और खेलों में किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अलकनंदा अपार्टमेंट की महिलाओं ने तीज पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम द ग्रांड जेबीआर में आयोजित किया गया। संयोजक मोनिका और रश्मि जबकि सह संयोजक आशा सिंह रहीं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने नृत्य प्रदर्शन, स्किट व कई खेलों में भाग लिया। तीज के इस पावन पर्व को बड़े ही उत्साह और उमंग से मनाया।

इस अवसर पर सभी ने मिलकर नृत्य प्रदर्शन, स्किट और खेलों में भाग लिया और इस त्योहार को यादगार बनाया। संयोजक मोनिका और रश्मि को इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के सभी ने उनको बधाई दिया। सह-संयोजक आशा सिंह का भी लोगों ने आभार दिया। इस तीज फंक्शन के माध्यम से महिलाओं को एक मंच प्रदान किया जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और एक दूसरे के साथ जुड़कर इस त्योहार को मनाया। इस रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोहा। महिलाओं ने विभिन्न खेल मुकाबलों में भी अपना दमखम दिखाया। इस अवसर पर महिलाओं ने तीज पर अपने अनुभव भी साझा किए। महिलाओं ने अच्छे खान-पान के स्वाद का आनंद भी उठाया।

भारत ने 27 साल बाद गंवाई वनडे सीरीज

श्रीलंका ने 2-0 से हराया

» तीसरे मुकाबले में 110 रनों के बड़े अंतर से हारी टीम इंडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पल्लकल। श्रीलंका ने भारत को वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में 110 रनों के बड़े अंतर से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। श्रीलंका ने इस जीत के साथ सीरीज पर 2-0 से कब्जा किया। श्रीलंका ने भारत को दूसरे मैच भी हराया था। जबकि पहला वनडे टाई हो गया था। श्रीलंका ने कोलंबो में बुधवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए 248 रन बनाए थे। जिसके जवाब में टीम इंडिया 138 रन पर सिमट गई।

इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने 27 सालों बाद भारत को द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हराया है। भारत के लिए रोहित शर्मा ने 35 रनों की पारी खेली। जबकि वाशिंगटन सुंदर 30 रन बनाकर आउट हुए। जबकि विराट कोहली के बल्ले से महज 20 रन और रियान पराग 15 बनाकर लौटे। इसके अलावा कोई और बल्लेबाज दहाई का अंक भी नहीं छू पाया। श्रीलंका के लिए दुनिथ वेल्लालगे ने 5 विकेट झटके। उन्होंने 5.1 ओवरों में 27 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। थीक्षणा और वैंडर्से ने 2-2 विकेट झटके। इससे पहले श्रीलंका ने अपने ओपनरों की दमदार पारियों की बदौलत भारत के सामने सात विकेट खोकर 248 रन बनाये।

भारत के अधिकतर बल्लेबाज रहे फ्लॉप

इस दौरान भारत के अधिकतर बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। रोहित शर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने 20 गेंदों में 35 रन बनाए, इस दौरान 6 चौके और 1 छक्का लगाया। शुभमन गिल 6 रन बनाकर आउट हो गए। विराट कोहली 20 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत महज 6 रन ही बना सके और श्रेयस अय्यर के बल्ले से तो 8 रन निकले। अक्षर पटेल 2 और रियान पराग 15 रन बनाकर आउट हुए।

अवैध सब्जी मंडी से परेशान हैं लोग

» गोमती नगर के विराजखंड में पांच साल से चल रहा बाजार

» नगर निगम, एलडीए व पुलिस से कई बार की गई शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर विराज खंड में 5 साल से अवैध सब्जी मंडी चल रही है। इस दौरान करीब 50 से ज्यादा शिकायत नगर निगम, एलडीए और स्थानीय थाने को कई लेकिन अभी तक मंडी नहीं हटी। स्थानीय लोग इसकी वजह से परेशान भी रहते है। पुल के नीचे करीब 500 मीटर की लंबाई में यह मंडी लग रही है। नगर निगम इसके बाद भी आंख बंद किए हुए है।

बड़ी बात यह है कि धीरे-धीरे यहां चबुतरे भी बनाने की पहल शुरू हो गई है। जानकारों का कहना है कि इसकी वजह से करीब 100 करोड़ रुपए की जमीन पर कब्जा है। अगर यह मंडी यहां काम करने वाले कारोबारियों के लिए ऑफिशियल भी कर दिया जाए तो हर महीने नगर निगम को यहां से लाखों रुपए का टैक्स आएगा। लेकिन यह पैसा नगर निगम के खाते नहीं आता है।

600 से 1000 रुपए तक चुकाते हैं दुकानदार

यहां एक दुकानदार से महीने से 600 से 1000 रुपए तक की अवैध वसूली है। ऐसे में 2 से 3 लाख रुपए महीने का पूरा खेल है। मंडी में मौजूदा समय करीब छोटे - बड़े 200 से ज्यादा दुकानदार है। साल के हिसाब से यहां से करीब 20 लाख रुपए से ज्यादा की अवैध वसूली का खेल चल रहा है। नगर निगम के एक कर्मचारी ने बताया कि यह यह पैसा आला अधिकारियों तक जाता है। ऐसे में यहां कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

वसूली का खेल जारी

सूत्रों का कहना है कि मंडी के संचालन में वसूली का पूरा खेल चल रहा है। इसमें नगर निगम से लेकर स्थानीय पुलिस के लोग शामिल है। यही वजह है कि शहर का सबसे वीआईपी इलाका होने के बाद भी इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यहां रहने वाले मुकेश बताते हैं कि पहले महज कुछ दुकानदार यहां सब्जियां बेचते थे लेकिन अग यह संख्या काफी ज्यादा में पहुंच गई है। यहां की सफाई हालांकि नियमित नगर निगम कराता है। जबकि यह मंडी पूरी तरह से अवैध है।

फोटो :4 पीएम

आक्रोश लखनऊ। बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार और गजवा ए हिंद में इंडिया गठबंधन की भागीदारी को लेकर बीजेपी नेता अभिजात मिश्रा ने लगवाये पोस्टर।

15 अगस्त पर झंडा फहराने को लेकर दिल्ली में संग्राम

» केजरीवाल को भाजपा ने घेरा

» बीजेपी बोली- स्वाधीनता दिवस की गरिमा को किया तार-तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की 15 अगस्त पर स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण को लेकर जेलवासी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लिखा पत्र प्रमाणित करता है की आम आदमी पार्टी और उसके नेता कल भी आराजक थे आज भी आराजक हैं। राष्ट्र ध्वज प्रोटोकोल अनुसार राज्यों में केवल मुख्य मंत्री के द्वारा ध्वजारोहण का प्रावधान है।

शायद संविधान एवं राष्ट्र ध्वज प्रोटोकोल निर्माताओं ने कभी कल्पना भी नही की होगी की कभी देश में ऐसा हठधर्मी मुख्य मंत्री आयेगा जो जेल जा कर भी पद से इस्तीफा नही देगा। मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मंत्री आतिशी को ध्वजारोहण अधिकार देने को लेकर उपराज्यपाल को भेजे आराजकता पूर्ण पत्र ने उनके द्वारा 2014 में राजपथ पर धरना देकर गणतंत्र दिवस समारोह बाधित करने की घोषणा की भयावह याद ताज़ा कर दी है। सचदेवा ने कहा है की अरविंद केजरीवाल ने 2014 में गणतंत्र दिवस की गरिमा को ठेस

सीएम के न रहने पर एलजी करते हैं झंडारोहण : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की दिल्ली सरकार के स्वाधीनता दिवस समारोह में दिल्ली के मुख्य मंत्री ही ध्वजारोहण कर सकते हैं और यदि वह नही करने आ सकते तो फिर परम्परा अनुसार दिल्ली के उपराज्यपाल ध्वजारोहण करेंगे। 1991से 1993 एवं 2014 में जब दिल्ली में मुख्य मंत्री नही थे तब उपराज्यपाल ने ध्वजारोहण किया था। यदि अरविंद केजरीवाल अपनी मंत्री आतिशी से ध्वजारोहण करवाना चाहते हैं तो उन पर विश्वास करें और खुद इस्तीफा देकर उन्हे मुख्य मंत्री पद की शपथ दिलवायें।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। बुद्धदेव 2000 से 2011 तक लगातार 11 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे।

बुद्धदेव की निधन की खबर उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह दी। उनके निधन से पूरे बंगाल में शोक का लहर है। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया। जानकारी के मुताबिक, बुद्धदेव ने सुबह नाश्ता भी किया था। इसके बाद वे अस्वस्थ हुए। सुबह करीब 8.20 बजे पाम एवेन्यू स्थित घर पर ही उन्होंने देह त्याग दिया।

रिजर्व बैंक ने आम आदमी को नहीं दी राहत

» नहीं कम होगी आपकी ईएमआई, 9वीं बार स्थिर रखा रेपो रेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कर्ज सस्ता होने और ईएमआई का बोझ कम होने का इंतजार कर रहे लोगों को एक बार फिर से निराशा हाथ लगी है। रिजर्व बैंक ने रिकॉर्ड 9 वीं बैठक में भी रेपो रेट को कम नहीं किया है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज गुरुवार को बताया कि केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने एक बार फिर से रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि एमपीसी के 6 में से 4 सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने का पक्ष लिया. एमपीसी की अगली बैठक अक्टूबर महीने में होगी।

अभी और सताएगी महंगाई

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक के लिए महंगाई अभी भी सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। यही कारण है कि मौद्रिक नीति समिति ने एक बार फिर से रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला लिया. ब्याज दरों को कम करने के लिए रिजर्व बैंक अभी और इंतजार करने के पक्ष में है। आरबीआई की अगस्त एमपीसी बैठक 6 अगस्त को शुरू हुई थी और आज संपन्न हुई। उसके बाद आरबीआई गवर्नर ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

आखिरी बार 18 महीने पहले हुआ था बदलाव

आरबीआई के इस फैसले से उन लोगों को निराशा हाथ लगने वाली है, जो लंबे समय से कर्ज सस्ता होने और ईएमआई के बोझ में नरमी आने की उम्मीद कर रहे हैं। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में आखिरी बार पिछले साल फरवरी में बदलाव किया था। यानी डेढ़ साल से नीतिगत ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है. फरवरी 2023 में हुई एमपीसी की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था।

रेपो रेट से ऐसे जुड़ी है ईएमआई

रेपो रेट उस ब्याज दर को कहते हैं, जिसके आधार पर आरबीआई से बैंकों को पैसे मिलते ह्हैं. मतलब रेपो रेट सीधे तौर पर बैंकों के लिए फंड कॉस्ट से जुड़ा हुआ है. जब रेपो रेट कम होता है तो बैंकों के लिए लागत में कमी आती है और रेपो रेट बढ़ने पर उनके लिए फंड महंगा हो जाता है. बैंकों के द्वारा आम लोगों को दिए जाने वाले कर्ज जैसे होम लोन, पर्सनल लोन, व्हीकल लोन आदि की ब्याज दरें रेपो रेट के हिसाब से तय होती हैं. रेपो रेट कम होने से ये सारे लोन सस्ते हो जाते हैं. होम लोन के मामले में फ्लोटिंग इंटेरेस्ट रेट होने से रेपो रेट की कमी का असर पुराने लोन पर भी होता है और ईएमआई का बोझ कम हो जाता है। हालांकि अब लोगों को उसके लिए और इंतजार करना होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।